

28.3.16

पञ्जाबी पेशा दुई / वसति कार्या ई का कार-कार
अपनाक लखनई गई। कमीज पापी क पापी ए। कले
असात्मनही अले। काका अदप हाजरी एके अदप
केरवी में (व्यक्ति विधा) जाता है। काका फौज
शुमार होकर नमस्कार क रूप है।

जा. 1
उपखण्ड अधिकारी, राजनामगढ़